जनता टीवी के सौजन्य से भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर में महिला कवि सम्मेलन आयोजित

खानपुर में सजा सम्मेलन, कविताओं के सागर में लगाई डुबकी

■ चार कवयित्रियों और दो कवियों के अनूठे कवि सम्मेलन में किसी ने हंसाया तो किसी ने नम कर दी आंखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

कवियों का ऐसा संगम जिसमें हास्य भी था, सुरीली आवाज में वीर रस भी था। तीन घंटे तक चला महिला कवि सम्मेलन अपने आप में अनूठा प्रयास था, जिसे साकार किया जनता टीवी ने। शनिवार शाम को खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में आयोजित किए गए इस कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय स्तर के कवियों ने अपनी प्रस्तुति दी। चार कवयित्रियों और दो कवियों की जुगलबंदी ऐसी हुई की दर्शक सब चिंताओं को भूलकर आनंदित हो उठे। कवियों ने कार्यक्रम में ऐसा समा बांधा कि पता ही नहीं चला कब में तीन घंटे भी बीत गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की वीसी प्रो. सुदेश ने की, वहीं मुख्यातिथि के तौर पर एचपीएससी की सदस्य डॉ. ममता यादव रहीं। विशिष्ट अतिथि के तौर पर विवि की डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. श्वेता, जयसिंह ठेकेदार, संदीप मलिक, साहित्यकार डॉ. कमलेश मलिक, नगर परिषद गोहाना की चेयरपर्सन रजनी विरमानी, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप दहिया मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। इसके उपरांत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महिला कवि सम्मेलन में गाजियाबाद से अंजु जैन, आगरा से रुचि चतुर्वेदी, नागपुर से श्रद्धा शौर्य, अहमदाबाद से आयुषी राखेचा के अलावा नीर गोरखपुरी और सुदीप भोला ने अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में मंच संचालन का जिम्मा भी सुदीप भोला ने संभाला। कवियों की प्रस्तुतियों की शुरूआत में रुचि चतुर्वेदी ने मां शारदे को नमन किया, वहीं साहित्यकार डॉ. कमलेश मलिक ने अपनी पुस्तक हस्ताक्षर हैं तुम्हारे की कुछ पंक्तियां सुनाते हुए उपस्थित जनसमूह को भाव विभोर कर दिया। इसके उपरांत देर रात तक चले सम्मेलन में अलग-अलग कवियों ने अपनी रचनाओं को प्रस्तुत किया।

सोनीपत। कवि सम्मेलन के दौरान मंचासीन कवि सुदीप भोला, नीर गोरखपुरी, रुचि चतुर्वेदी, आयुषी राखेचा व श्रद्धा शौर्या।

मेले थोना बाबू ने थाना थाया

नागपुर से पहुंचीं श्रद्धा शौर्य ने धर्म बचा तो देश बचेगा कविता सुनाते हुए वीर रस से कवि सम्मेलन का आगाज किया। इनके उपरांत नीर गोरखपुरी ने हास्य और व्यंग्य के अनूठे संगम के बीच श्रोताओं पर हंसी के गुब्बारे छोड़े। नीर गोरखपुरी ने मेले थोना बाबू ने थाना थाया कविता सुनाते हुए व्यंग्य के साथ सामाजिक संदेश भी छोड़ा। इनके उपरांत अहमदाबाद से आई आयुषी राखेचा और रुचि चतुर्वेदी ने अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रुचि चतुर्वेदी ने बांके बिहारी को मध्य में रखती हुए अपनी कविता का पाठ किया। वहीं गला खराब होने के बावजूद अंजू जैन ने मंच से ऐसी प्रस्तुति दी कि तालियां की गूंज काफी देर तक रही। अंजू जैन ने मैं आधी आबादी हूं, जंजीर नहीं आजादी हूं, कविता के जरिये महिलाओं को सुदृढ़ रहने के लिये प्रेरित किया।

सोनीपत। महिला कवि सम्मेलन के दौरान मंच से प्रस्तुति देती अंजु जैन।

कार्यक्रम के दौरान कवियों के साथ वीसी प्रो. सुदेश, डॉ. कमलेश मलिक, जयसिंह ठेकेदार, संदीप मलिक, जनता टीवी के जोनल हैड मनोज दहिया।

कवि सम्मेलन के दौरान मौजूदा श्रोतागण

फूहड़ता पर किया कटाक्ष

विभिन्न कवियों के बीच सुदीप भोला ने शानदार मंच संचालन का नजारा पेश करते हुए हास्य रस से परिपूर्ण चुटकले भी सुनाए। वहीं सम्मेलन में सबसे अंत में सुदीप भोला ने अपनी प्रस्तुति दी। सुदीप भोला ने हंसी मजाक के नाम पर फैल रही फूहड़ता पर कटाक्ष किया। सुदीप भोला ने कहा कि आज का वीर इंडिया नॉट लेट्टेंट की ओर बढ़ रहा है, लेकिन हमें अपनी संस्कृति को भूलना नहीं चाहिये। उन्होंने लड़कियों की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि पांडवों को अगर एक भी बेटी होती तो द्रोपदी का कहां चीर हरण होता। इसके अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों पर कटाक्ष करने वाली कविताएं गाकर सुनाई। जिस पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई। इसके अलावा सुदीप भोला ने वर्दिया वर्दिया, वर्दिया ये वर्दिया कविता सुनाते हुए देश के वीर सपूतों को नमन किया।

ये रहे सहयोगी

एसपीएस बोसाई द्वारा प्रायोजित कवि सम्मेलन में भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय का सहयोग रहा। वहीं बीपी जैन स्किल सेंटर, गलैक्सी प्रोपर्टीज विरमानी एंड सन बिल्डर्ज, पीएसबी किचन मेट, यूपीएस लक्ष्मी और राष्ट्रीय हिंदी दैनिक हरिभूमि को-स्पोंसर की भूमिका में रहे।

वीडियो संदेश भेजे: महिला कवि सम्मेलन की शुरूआत में कुछ वीडियो संदेश भी प्रसारित किए गए। जिसमें महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, बॉलीवुड अभिनेत्री मेघना मलिक, वरिष्ठ पत्रकार मिमांसा मलिक के वीडियो संदेश दे। जनता टीवी को महिला कवि सम्मेलन के लिये बधाई दी।

'सियासी जंग में बहता खून आवाज देता है, अगर मुमकिन हो तो वही इंसानियत लौटा दो'

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में कवि सम्मेलन का आयोजन

मुख्य अतिथि डॉ. ममता यादव को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए प्रो. सुदेश तथा काव्यपाठ का लुत्फ उठाते हुए श्रोतागण। *(अरोड़ा)*

गोहाना, 2 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार की रात को 'सशक्त नारी सशक्त राष्ट्र' थीम पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वी.सी. प्रो. सुदेश ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

मुख्यातिथि डॉ. ममता यादव ने कहा कि समाज की दशा-दिशा निर्धारित करने में महिलाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग सावधानी से करने का आह्वान छात्राओं से किया।

अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. सुदेश ने कविता को संवाद का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रयोग पर बल दिया। उनके अनुसार साहित्य की संस्कृति महिला विश्वविद्यालय में चलती रहनी चाहिए। कवयित्री रुचि चतुर्वेदी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की।

वरिष्ठ साहित्यकार कमलेश मलिक ने अपनी नई कविता 'आवेदन लिखे हमने, हस्ताक्षर तुम्हारे हैं' का पाठ किया। कवि सुदीप भोला ने ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर अपनी कविता 'ये गठबंधन का धागा, न खोल सकोगे रागा' रखी।

सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और इसके दुष्प्रभावों पर तीखा कटाक्ष करते हुए उन्होंने 'पढ़ती नहीं पढ़ाती हैं, दिनभर रील बनाती हैं' कविता प्रस्तुत की।

'मैं बिंदु से रेखा बनाने चली हूं, मैं सागर से नदियां मिलाने चली हूं'

कवयित्री श्रद्धा शौर्य ने जय श्री राम का उद्घोष करते हुए कहा कि राम बस नाम नहीं है। उन्होंने अपनी रचना 'धर्म बचा तो देश बचेगा' का पाठ किया। कवयित्री रुचि चतुर्वेदी ने कविता की शुरूआत भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी के प्रेम से की। उन्होंने अपनी कविता 'मैं बिंदु से रेखा बनाने चली हूं, मैं सागर से नदियां मिलाने चली हूं' का पाठ किया।

कवयित्री अंजू जैन ने अपनी कविता की शुरूआत करते हुए कहा कि 'वही जज्बा, वही चाहत, वही ईमान लौटा दो, हमारी आत्मीयता का सब सामान लौटा दो, सियासी जंग में बहता खून आवाज देता है, अगर मुमकिन हो तो वही इंसानियत लौटा दो।'

'खुद को धूप में रखकर, हमें छांव में रखा, बुजुर्गों ने हमारा दर्द अपने पांव में रखा'

अंजू जैन ने अपने बुजुर्गों को एक कविता समर्पित करते हुए कहा कि 'खुद को धूप में रखकर, हमें छांव में रखा, बुजुर्गों ने हमारा दर्द अपने पांव में रखा।'

कवयित्री आयुषी राखेचा ने प्रेम में कविता पढ़ते हुए कहा कि 'बढ़ती-सी धड़कनों में खलल करके जाऊंगी, गर झील-सा है मन तो कमल कर के जाऊंगी, वादा है आज मेरा ये, मैं तुमको गजल करके जाऊंगी।' गोरखपुर से पहुंचे कवि नीर ने हास्य रस घोल दिया।

उन्होंने अपनी कविता 'मेले बाबू ने खाना खाया' से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया।

मंच संचालन एंकर अंजलि भंडारी और डॉ. महेश शर्मा ने किया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित खुले मंच पर आयोजित इस कवि सम्मेलन में डॉ. श्वेता सिंह, ठेकेदार जयसिंह, डॉ. संदीप मलिक, रजनी इंद्रजीत विरमानी, कुलदीप दहिया, डॉ. सरला तथा डॉ. अनिल बल्हारा आदि भी मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन का आनंद उठाते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य अतिथिगण।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन का आयोजन

गोहाना, 2 मार्च .(रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में महिला दिवस के उपलक्ष्य में सशक्त नारी सशक्त राष्ट्र थीम पर एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। एलपीएस बोसार्ड द्वारा प्रायोजित कवि सम्मेलन का आयोजन जनता टीवी के तत्वाधान में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा किया गया जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुदेश द्वारा तथा कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कविता की खो रही विधा से छात्राओं को रूबरू कराना है। उन्होंने कविता को संवाद का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। प्रख्यात कवयित्री रुचि चतुर्वेदी, वरिष्ठ साहित्यकार कमलेश मलिक, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि सुदीप भोला, प्रसिद्ध कवयित्री रुचि चतुर्वेदी, कवयित्री अंजू जैन ने अपनी कविता, कवयित्री आयुषी राखेचा और गोरखपुर से पहुंचे कवि नीर ने मंच पर हास्य रस घोल दिया ,उन्होंने अपनी सुप्रसिद्ध कविता मेले बाबू ने खाना खाया से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। डॉ. ममता यादव ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग सावधानी से करने का आह्वान छात्राओं से किया। सभी आमंत्रित कवियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

All India Media Association
(Under Operating By AIMAMEDIA Foundation)

Manoj, Sonipat, Haryana (HR) (Otherpost.Aspx?By=138878)
02/03/2025 10:14 AM

इस आयोजन का उद्देश्य कविता की खो रही विधा से छात्राओं को रूबरू कराना-कुलपति प्रो सुदेश

खानपुर कलां, 02 मार्च। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में महिला दिवस के उपलक्ष्य में "सशक्त नारी सशक्त राष्ट्र" थीम पर एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। एल पी एस बोसार्ड द्वारा प्रायोजित कवि सम्मेलन का आयोजन जनता टीवी के तत्वाधान में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा किया गया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो सुदेश ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा जनता टीवी के रीजनल हेड मनोज दहिया व सीनियर मार्केटिंग मैनेजर अजय अग्रवाल ने रखी।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि इस आयोजन कां उद्देश्य कविता की खो रही विधा से छात्राओं को रूबरू कराना है। उन्होंने कविता को संवाद का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रयोग पर बल दिया। कुलपति ने कहा कि साहित्य की संस्कृति महिला विश्वविद्यालय में चलती रहनी चाहिए।

प्रख्यात कवयित्री सुश्री रुचि चतुर्वेदी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की।

वरिष्ठ साहित्यकार कमलेश मलिक ने अपने शब्दों की शुरुआत में कहा कि "आप इस मंच पर जो विराजमान हो , देश की चुनी हुई विभूतियां महान हो " . उन्होंने हाल में अपनी लिखी कविता "आवेदन लिखे हमने ,हस्ताक्षर तुम्हारे है" का मंचन कर दर्शको को तालियों बजाने पर मजबूर कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि सुदीप भोला ने अपनी चुटीली रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर उनकी कविता "ये गठबंधन का धागा ,न खोल सकोगे रागा " पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए। उन्होंने सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और इसके दुष्प्रभावों पर तीखा कटाक्ष करते हुए "पढ़ती नहीं पढ़ाती हैं, दिनभर रील बनाती हैं" कविता प्रस्तुत की, जिसे श्रोताओं ने जमकर सराहा।

अपनी ओजस्वी वाणी में कवयित्री सुश्री श्रद्धा शौर्य ने जय श्री राम का उद्घोष करते हुए कहा कि राम बस नाम नहीं है। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध रचना "धर्म बचा तो देश बचेगा " का पाठ किया तो पूरे पंडाल में देश प्रेम की भावना उमड़ उठी।

प्रसिद्ध कवयित्री सुश्री रुचि चतुर्वेदी ने महिला विश्वविद्यालय को ज्ञान का मंदिर बताते हुए कहा कि मैं इस अक्षरधाम को नमन करती हूँ। उन्होंने अपनी कविता की शुरुआत भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी के प्रेम से की , "प्रेम से प्रेम की हर बात यूँ निभानी है कृष्ण की प्रीत; प्रीत सप्तरूप निभानी है", रुचि चतुर्वेदी की कविता "मैं बिंदु से रेखा बनाने चली हूँ , मैं सागर से नदियां मिलाने चली हूँ " ने पंडाल में उपस्थित श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

कवयित्री अंजू जैन ने अपनी कविता की शुरुआत करते हुए कहा कि " वही जज्बा वही चाहत वही ईमान लौटा दो ,हमारी आत्मीयता का सब सामान लौटा दो , सियासी जंग में बहता खून आवाज देता है , अगर मुमकिन हो तो वही इंसानियत लौटा दो " . अंजू जैन ने अपने बुजुर्गों को एक कविता समर्पित करते हुए कहा कि " खुद को धूप में रखकर ,हमें छाँव में रखा ,बुजुर्गो ने हमारा दर्द अपने पाँव में रखा।

कवयित्री आयुषी राखेचा ने प्रेम में कविता पढ़ते हुए कहा कि "बढ़ती सी धड़कनो में खलल करके जाउंगी ,गर झील सा है मन तो कमल कर के जाउंगी , वादा है आज मेरा ये, मैं तुमको गजल करके जाउंगी "

गोरखपुर से पहुंचे कवि श्री नीर ने मंच पर हास्य रस घोल दिया ,उन्होंने अपनी सुप्रसिद्ध कविता " मेले बाबू ने खाना खाया ' से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया।

अपने उद्बोधन में डॉ ममता यादव ने कहा कि समाज की दशा-दिशा निर्धारित करने में महिलाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग सावधानी से करने का आह्वान छात्राओं से किया। डॉ यादव ने कहा कि यह भूमि संस्कार की भूमि है इसकी गरिमा बनी रहनी चाहिए।

मंच संचालन जनता टीवी की एंकर अंजलि भंडारी व विवि के सहायक प्रोफेसर डॉ महेश शर्मा ने किया।

सभी आमंत्रित कवियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन महिला विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो श्वेता सिंह ने किया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित खुले मंच पर आयोजित यह कवि सम्मेलन छात्राओं एवं श्रोताओं को असीम ऊर्जा से भरते हुए मीठी यादें छोड़ गया।

इस अवसर पर समाजसेवी जयसिंह , गैलेक्सी प्रोप्राइटर के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ संदीप मलिक, गोहाना नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी, सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप दहिया , विवि की मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ सरला तथा विश्वविद्यालय के जनसंपर्क निदेशक लफ्टिंडेंट कर्नल डॉ अनिल बल्हारा भी मौजूद रहे।

फोटो कैप्शन-01 - दीप प्रज्वलन कर कवि सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो सुदेश व अन्य अतिथिगण।

The First Update's Post

The First Update
11 minutes ago

खानपुर कलां, 02 मार्च। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में महिला दिवस के उपलक्ष्य में "सशक्त नारी सशक्त राष्ट्र" थीम पर एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। एल पी एस बोसार्ड द्वारा प्रायोजित कवि सम्मेलन का आयोजन जनता टीवी के तत्वाधान में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा किया गया। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो सुदेश ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा जनता टीवी के रीजनल हेड मनोज दहिया व सीनियर मार्केटिंग मैनेजर अजय अग्रवाल ने रखी। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य कविता की खो रही विधा से छात्राओं को रूबरू कराना है। उन्होंने कविता को संवाद का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि छात्राओं को साहित्य के क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रयोग पर बल दिया। कुलपति ने कहा कि साहित्य की संस्कृति महिला विश्वविद्यालय में चलती रहनी चाहिए। प्रख्यात कवयित्री सुश्री रुचि चतुर्वेदी ने सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की।
वरिष्ठ साहित्यकार कमलेश मलिक ने अपने शब्दों की शुरुआत में कहा कि "आप इस मंच पर जो विराजमान हो , देश की चुनी हुई विभूतियां महान हो " . उन्होंने हाल में अपनी लिखी कविता "आवेदन लिखे हमने ,हस्ताक्षर तुम्हारे है" का मंचन कर दर्शको को तालियों बजाने पर मजबूर कर दिया।
अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि सुदीप भोला ने अपनी चुटीली रचनाओं से श्रोताओं को खूब हंसाया। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर उनकी कविता "ये गठबंधन का धागा ,न खोल सकोगे रागा " पर श्रोताओं ने जमकर ठहाके लगाए। उन्होंने सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और इसके दुष्प्रभावों पर तीखा कटाक्ष करते हुए "पढ़ती नहीं पढ़ाती हैं, दिनभर रील बनाती हैं" कविता प्रस्तुत की, जिसे श्रोताओं ने जमकर सराहा। अपनी ओजस्वी वाणी में कवयित्री सुश्री श्रद्धा शौर्य ने जय श्री राम का उद्घोष करते हुए कहा कि राम बस नाम नहीं है। उन्होंने अपनी प्रसिद्ध रचना "धर्म बचा तो देश बचेगा " का पाठ किया तो पूरे पंडाल में देश प्रेम की भावना उमड़ उठी।
प्रसिद्ध कवयित्री सुश्री रुचि चतुर्वेदी ने महिला विश्वविद्यालय को ज्ञान का मंदिर बताते हुए कहा कि मैं इस अक्षरधाम को नमन करती हूँ। उन्होंने अपनी कविता की शुरुआत भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी के प्रेम से की , "प्रेम से प्रेम की हर बात यूँ निभानी है कृष्ण की प्रीत; प्रीत सप्तरूप निभानी है", रुचि चतुर्वेदी की कविता "मैं बिंदु से रेखा बनाने चली हूँ , मैं सागर से नदियां मिलाने चली हूँ " ने पंडाल में उपस्थित श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।
कवयित्री अंजू जैन ने अपनी कविता की शुरुआत करते हुए कहा कि " वही जज्बा वही चाहत वही ईमान लौटा दो ,हमारी आत्मीयता का सब सामान लौटा दो , सियासी जंग में बहता खून आवाज देता है , अगर मुमकिन हो तो वही इंसानियत लौटा दो " . अंजू जैन ने अपने बुजुर्गों को एक कविता समर्पित करते हुए कहा कि " खुद को धूप में रखकर ,हमें छाँव में रखा ,बुजुर्गो ने हमारा दर्द अपने पाँव में रखा। कवयित्री आयुषी राखेचा ने प्रेम में कविता पढ़ते हुए कहा कि "बढ़ती सी धड़कनो में खलल करके जाउंगी ,गर झील सा है मन तो कमल कर के जाउंगी , वादा है आज मेरा ये, मैं तुमको गजल करके जाउंगी "

गोरखपुर से पहुंचे कवि श्री नीर ने मंच पर हास्य रस घोल दिया ,उन्होंने अपनी सुप्रसिद्ध कविता " मेले बाबू ने खाना खाया ' से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। अपने उद्बोधन में डॉ ममता यादव ने कहा कि समाज की दशा-दिशा निर्धारित करने में महिलाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का उपयोग सावधानी से करने का आह्वान छात्राओं से किया। डॉ यादव ने कहा कि यह भूमि संस्कार की भूमि है इसकी गरिमा बनी रहनी चाहिए।
मंच संचालन जनता टीवी की एंकर अंजलि भंडारी व विवि के सहायक प्रोफेसर डॉ महेश शर्मा ने किया। डॉ मोनिका कार्यक्रम प्रभारी रही। सभी आमंत्रित कवियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार प्रदर्शन महिला विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो श्वेता सिंह ने किया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-1 स्थित खुले मंच पर आयोजित यह कवि सम्मेलन छात्राओं एवं श्रोताओं को असीम ऊर्जा से भरते हुए मीठी यादें छोड़ गया। इस अवसर पर समाजसेवी जयसिंह , गैलेक्सी प्रोप्राइटर के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ संदीप मलिक, गोहाना नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी, सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप दहिया , विवि की मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ सरला तथा विश्वविद्यालय के जनसंपर्क निदेशक लफ्टिंडेंट कर्नल डॉ अनिल बल्हारा भी मौजूद रहे।
फोटो कैप्शन-01 - दीप प्रज्वलन कर कवि सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो सुदेश व अन्य अतिथिगण।02 - काव्य पाठ करते हुए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि सुदीप भोला।03 - काव्य पाठ करते हुए प्रख्यात कवयित्री श्रद्धा शौर्य। 04- हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन की सदस्या डॉ ममता यादव को स्मृति चिन्ह भेंट करते महिला

Comment as The First Update